भारत सरकार

नागर विमानन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न संख्या : 1807

दिनांक 28 दिसम्बर, 2017 / 7 पौष, 1939 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

पायलटों/केबिन क्रू की कमी

1807. श्री टी.जी. वेंकटेश बाबू:

डॉ. उदित राज:

क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या एयर इंडिया को पायलटों तथा केबिन क्रू की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है;
(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों का तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है और क्रू की कमी से केरियर के कार्यकरण पर कितना प्रभाव पड़ा है;
(ग) क्या सरकार ने इसके सभी रिक्त पद भरने तथा इसके प्रचालनों तथा लाभ में सुधार लाने के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) इन सभी रिक्त पदों के कब तक भरे जाने की संभावना है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
(ङ) क्या सरकार का विचार इस कमी को पूरा करने के लिए विदेशी पायलटों की सेवाएं लेने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जयंत सिन्हा)

(क) और (ख) : जी नहीं। संविदा आधार पर पिछले 2 1/2 वर्षों में भर्ती के बाद एअर इंडिया के पास अपनी अनुसूचित उड़ानों के लिए पर्याप्त संख्या में पायलट तथा केबिन कर्मी हैं।
(ग) और (घ) : विलयन से पूर्व पूर्ववर्ती एयरलाइनों में गैर-संचालन श्रेणियों में भर्ती के लिए भारत सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाया गया था। तथापि, पायलटों, केबिन कर्मी, फ्लाइट डिसपैचर, सुरक्षा एजेंटों आदि जैसी प्रचालन श्रेणियों के लिए विलयित एअर इंडिया में मानवशक्ति आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, एअर इंडिया आवश्यकतानुसार समय-समय पर प्रचालन श्रेणियों में भर्ती करती है। पिछले दो वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान कुल 482 पायलटों तथा 1224 केबिन कर्मियों की भर्ती के लिए एअर इंडिया द्वारा कदम उठाए गए।
बेड़ा सवर्धन, नए क्षेत्रों के जुड़ाव तथा प्राकृतिक अपव्यय के कारण भी तथा पायलटों और केबिन कर्मी की श्रेणी में कमी को ध्यान में रखते हुए, एअर इंडिया लिमिटेड इन श्रेणियों के लिए संविदा आधार पर आवश्यकतानुसार भर्ती प्रक्रिया कर रही है।
(ङ.) : एअर इंडिया एक्सप्रेस लिमिटेड में पर्याप्त संख्या में पायलट तथा केबिन कर्मी हैं। इसके पास कोई विदेशी पायलट नहीं है और न ही इसका उन्हें नौकरी पर रखने का इरादा है। तथापि, एयरलाइन एलाइड सर्विस लिमिटेड (एएएसएल - एअर इंडिया के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी) एटीआर कमांडरों की कमी से जूझ रही है। एलायंस एयर के पास एटीआर-72-600 और एटीआर42-320 विमानों का बेड़ा है। भारतीय बाजार में इन विमानों के लिए कमांडर उपलब्ध नहीं हैं। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, विदेशी पायलटों को नौकरी पर रखा जा रहा है और इसके अलावा, एक पृथक पायलट करार के अंतर्गत पट्टे पर लिए गए विमानों के साथ विमान पट्टे पर देने वाली कंपनी द्वारा विदेशी पायलट प्रदान किए गए हैं। एएएसएल में केबिन कर्मी की कमी नहीं है।

*****